

डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन, मानवता और पाप, सत्र 5, पॉलिन मसीह की छवि की पुनर्स्थापना , कुलुस्सियों 3:9-10

© 2024 रॉबर्ट पीटरसन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन द्वारा मानवता और पाप के सिद्धांतों पर दिए गए उनके शिक्षण का अंश है। यह सत्र संख्या पांच है, मसीह में छवि की पॉलिन पुनर्स्थापना, कुलुस्सियों 3:9-10।

बाइबिल लर्निंग, e-learning.org में आपका स्वागत है, मानवता और पाप के सिद्धांतों, यानी धर्मशास्त्रीय नृविज्ञान और मानवविज्ञान के हमारे अध्ययन का।

हम मानवता के सिद्धांत के साथ काम कर रहे हैं, विशेष रूप से ईश्वर की छवि के प्रमुख विषय पर।

आइए प्रार्थना करें। दयालु पिता, आपके पवित्र वचन के लिए धन्यवाद। हमें अपनी पवित्र आत्मा और पुनर्जन्म, साथ ही प्रकाश देने के लिए धन्यवाद, ताकि हम आपके वचन को समझ सकें। हमारी आँखें खोलो ताकि हम आपके कानून में, आपके वचन में अद्भुत चीजें देख सकें। हमें सिखाओ, हमें प्रोत्साहित करो, हमें सुधारो, और हमें अपने अनन्त मार्ग पर ले चलो। हम मध्यस्थ यीशु मसीह के माध्यम से प्रार्थना करते हैं। आमीन। हम

ईश्वर की छवि का अध्ययन कर रहे हैं। छवि की बहाली की बात करने वाले पॉलिन ग्रंथों पर जाने से पहले थोड़ी समीक्षा की आवश्यकता है। हमने ऐतिहासिक धर्मशास्त्र का एक संक्षिप्त उपचार किया जिसमें हमने निष्कर्ष निकाला कि इनमें से प्रत्येक दृष्टिकोण आंशिक रूप से सही है। ईसाई चर्च का पारंपरिक दृष्टिकोण प्रारंभिक पिताओं, मध्य युग में, हमने थॉमस का हवाला दिया, और सुधारकों में पाया जाता है। केल्विन का मानना है कि ईश्वर की छवि मुख्यतः आत्मा में है, और यह एक देन है, अर्थात् यह संरचनात्मक या मूलभूत है, और इसका प्रमुख पहलू मानव मस्तिष्क, सोचने की क्षमता है।

मैं इसे स्पष्ट करने जा रहा हूँ जब हम कुलुस्सियों 3, 9, और 10 का अध्ययन करेंगे। मैं यह कहने जा रहा हूँ कि यह केवल सोचने की अमूर्त क्षमता नहीं है, बल्कि यह परमेश्वर की सेवा में सोचने की क्षमता है, लेकिन अभी के लिए, संज्ञान। यह परमेश्वर द्वारा मनुष्यों को दिया गया एक उपहार है, और यह हमारे स्वरूप का हिस्सा है; इसलिए, यह सारगर्भित या संरचनात्मक है।

आप कहते हैं कि संरचनात्मक शब्द मानव शरीर की तरह लगता है। वास्तव में, आत्मा और मन पर जोर दिया गया था, शरीर पर नहीं, हालांकि केल्विन कह सकते थे, इस बात से सहमत थे कि मुख्य रूप से छवि आत्मा में है, और यह तर्क की देन है। वास्तव में, उनका दृष्टिकोण और भी व्यापक था।

यह मानवीय अखंडता है, जिसमें हमारी सभी क्षमताएँ और चीज़ें एक साथ काम करती हैं, और पतन ने इसे बाधित कर दिया, लेकिन केल्विन ने कहा कि भले ही यह मुख्य रूप से आत्मा में है, हम शरीर में इसकी चिंगारी देखते हैं, और यह वास्तव में बहुत ही रोशन करने वाला था क्योंकि आज हम कहेंगे, यह शरीर में प्रदर्शित होता है, हालाँकि यह शरीर नहीं है। इसलिए, मूल या संरचनात्मक दृष्टिकोण में हमारी मानवीय बनावट, विशेष रूप से आध्यात्मिक बनावट, विशेष रूप से ज्ञान, एक कार्यशील मन, अनुभूति और ईश्वर को जानने, उसके वचन को समझने और उसकी आज्ञा मानने की क्षमता शामिल है। कार्यात्मक दृष्टिकोण, नंबर दो, बहुत हाल ही में आए हैं।

मैं कहूँगा कि 19वीं सदी के अंत या 20वीं सदी की शुरुआत में, शायद इस बात पर जोर दिया गया था, देखिए, उत्पत्ति 1 के पाठ में, प्रभुत्व का उल्लेख है। जोर हमारे उपहार और बनावट पर नहीं है; यह इस बात पर है कि हम क्या करते हैं। यह हमारा कार्य है, और निश्चित रूप से, प्रमुख कार्यात्मक भूमिका प्रभुत्व रखना था, जो उत्पत्ति पाठ में है।

मुझे लगता है कि यह एक वास्तविक अंतर्दृष्टि है। मैं यह नहीं कहूँगा कि यह छवि क्या है, लेकिन यह निश्चित रूप से छवि में शामिल है। इसके कुछ कार्यात्मक पहलू हैं।

तीसरे, लियोनार्ड वर्दुन ने इस पर जोर देते हुए एक किताब लिखी। तीसरा पहलू संबंधपरक है। छवि के मूल या संरचनात्मक, कार्यात्मक, संबंधपरक दृष्टिकोण ठीक उसी बात पर जोर देते हैं जो नाम से संकेत मिलता है: ईश्वर, हमारे पर्यावरण और हमारे साथी मनुष्यों के साथ हमारा व्यवहार। यहाँ मुख्य पहलू, बेशक, प्रेम है।

अपने पड़ोसी के रूप में अपने आप को प्रभु से प्यार करना, जैसा कि पुराने नियम में निहित है। उदाहरण के लिए, मैथ्यू 22 में यीशु उन दो विचारों को एक साथ लाते हैं, और हालाँकि इन विचारों को कुछ हद तक एक दूसरे के खिलाफ स्थापित किया गया है, और 20वीं सदी के प्रकारों ने सोचा कि वे पुराने मूल दृष्टिकोण को अस्वीकार करने में अधिक प्रबुद्ध थे, मुझे लगता है कि वास्तव में तीनों शामिल हैं, जैसा कि आप देखेंगे। मैं बस उन विचारों को आपके दिमाग में रखना चाहता था।

छवि हमारी मानसिक संरचना में है। छवि हमारी भूमिकाओं और कार्यों में है। छवि हमारे रिश्तों में है।

मुझे लगता है कि इन सभी में सच्चाई का एक तत्व है। मैं कल एक नाम भूल गया था। यह मार्क नोल था जिसने *द क्लोजिंग ऑफ़ द इवेंजेलिकल माइंड लिखा था*। वह एक उत्कृष्ट इंजील ईसाई इतिहासकार है। मैंने व्हीटन से शुरुआत की, और नोट्रे डेम या कुछ ऐसा ही स्थान पर समाप्त हुआ। मैं इतिहास में एक और प्रसिद्ध विद्वान को जानता था।

डॉक्टर की पढ़ाई के बाद उन्होंने कई स्कूलों में आवेदन किया और उन्होंने कहा कि सिर्फ नोट्रे डेम ही ऐसा स्कूल है जो उनकी ईसाई गवाही को गंभीरता से लेगा। और वे उसमें आगे बढ़ते गए। वे खुले तौर पर रोमन कैथोलिक नहीं, बल्कि इवेंजेलिकल प्रोटेस्टेंट थे।

और वह उस स्कूल में आगे बढ़ता गया और बहुत बढ़िया रहा... और यहाँ मैंने फिर से ऐसा किया है। अगर उसका नाम आता है तो मैं शायद उसका नाम ले लूँगा। तो, पॉल पर आने से पहले एक और बात, मेरा मतलब था, ये ऐतिहासिक दृश्य हैं।

वास्तव में यह बहुत जल्दी का सारांश है। इसे देखने का एक और महत्वपूर्ण तरीका यह है कि हम इन सभी चीजों को अगले व्याख्यान में एक साथ लाएंगे जब हम ईश्वर की छवि का सारांश देंगे। लेकिन सारांश बनाने से पहले हमें तालिका में डेटा और जानकारी प्राप्त करने की आवश्यकता है।

छवि का मुक्ति-ऐतिहासिक दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है। सृष्टि, पतन, मुक्ति और पूर्णता का ग्रिड कई, कई सिद्धांतों के लिए सहायक है। और यह छवि के लिए भी ऐसा ही है क्योंकि आदम और हव्वा को परमेश्वर की मूल छवि में बनाया गया था।

हम कुछ पॉलिन ग्रंथों से सीखेंगे कि वास्तव में सच्ची छवि, जो मसीह है, की समानता में बनाया जाना और इस प्रकार उसका अवतार होना शामिल है। यह मार्ग इसलिए प्रशस्त हुआ क्योंकि मनुष्य शुरू से ही उसकी छवि में बनाए गए थे। लेकिन हमारे पहले माता-पिता, आदम और हव्वा, परमेश्वर की मूल छवि में बनाए गए थे।

हम पॉल के साथ इस पर विस्तार से चर्चा करेंगे, लेकिन यह शुरुआती बिंदु है। गिरने से, छवि पूरी तरह से मिट नहीं गई थी, लेकिन यह क्षतिग्रस्त हो गई थी। यह धूमिल हो गई थी।

अगर आप चाहें तो यह धुंधला था। इसलिए, उत्पत्ति 9 और जेम्स 3 पतन के बाद के मनुष्यों को प्रस्तुत करते हैं, न कि पहले पॉल को, जो पतन के बाद के मनुष्य हैं, अभी भी ईश्वर की छवि में हैं। मृत्युदंड इस धारणा पर आधारित है कि आप छवि में बने हैं और आप छवि वाहक को नहीं मार सकते।

यह ईश्वर पर हमला है, उत्पत्ति 9. और इसी तरह, पॉल, क्षमा करें, जेम्स, शिक्षकों को चेतावनी देते हुए कि उनका न्याय अधिक कठोर होगा, जीभ के बारे में कई खतरनाक बातें कहता है। आप कहते हैं, ठीक है, वह एक सकारात्मक बात कहता है, जीभ से हम अपने ईश्वर और पिता की स्तुति करते हैं, जेम्स 3. यह सच है, लेकिन अगर आप वाक्य को पूरा करते हैं, तो यह वास्तव में एक सकारात्मक बात नहीं है। और उसी जीभ से, हम उन मनुष्यों को शाप देते हैं जो ईश्वर की छवि में बनाए गए हैं।

यह भी पतन के बाद की बात है। तो, मूल छवि, सृजन, कलंकित छवि, खराब छवि ही होकेमा का शब्द है। टोनी होकेमा, एंथनी होकेमा, *ईश्वर की छवि में निर्मित*।

यह एक अद्भुत किताब है। मैं उनका आभारी हूँ। यदि आप छवि के ऐतिहासिक धर्मशास्त्र के बारे में अधिक जानना चाहते हैं, तो उनके पास इस पर 50-पृष्ठ का एक पूरा अध्याय है।

छवि धूमिल हो गई है। यह खोई नहीं है। मनुष्य अभी भी मनुष्य है।

मैंने कभी-कभी त्रिकोटामी की प्रस्तुति सुनी है, जिसका मैं विरोध करूँगा जब हम वहाँ पहुँचेंगे। हाँ, कभी-कभी शास्त्रों में आत्मा और आत्मा के बीच अंतर होता है, लेकिन कोई ऑन्टोलॉजिकल अंतर नहीं होता। वे हमारे मेकअप के अलग-अलग हिस्से नहीं हैं।

और कुछ लोग जो यह सिखाते हैं, उन्होंने वास्तव में कहा है कि उद्धार न पाने वाले लोगों में आत्मा नहीं होती। खैर, मुझे खेद है, इससे वे मनुष्य से कमतर हो जाएँगे। और यह गलत है क्योंकि पतित पापी अभी भी परमेश्वर की छवि में बनाए गए हैं।

यह धूमिल हो गया है। यह वैसा नहीं है। यह धूमिल इसलिए है क्योंकि पौलुस कुलुस्सियों 3 और इफिसियों 4 में सिखाता है कि मसीह में, छवि धीरे-धीरे बहाल होती है।

इसे बहाल किया गया है क्योंकि यह कुछ हद तक बर्बाद हो गया था। इसलिए, मूल छवि, खराब छवि, कलंकित छवि और नवीनीकृत छवि मसीह में हैं। जब परमेश्वर हमें उद्धार प्रदान करता है, अर्थात् मसीह के साथ एकता के आधार पर, हमें आध्यात्मिक रूप से उसके पुत्र और उसके सभी लाभों से जोड़ता है, तो हम परमेश्वर की छवि में आजीवन नवीनीकरण शुरू करते हैं।

यह कभी भी इस जीवन में पूर्ण नहीं होता, लेकिन इसकी खराब या कलंकित होने की स्थिति वास्तव में उलट जाती है। फिर भी, पूर्ण छवि अंत की प्रतीक्षा नहीं करती। मूल छवि, गिरी हुई छवि, खराब या कलंकित छवि।

मसीह में और पूर्णता में उत्तरोत्तर नवीनीकृत छवि, परमेश्वर की परिपूर्ण छवि। इसलिए, छवि के बारे में निष्कर्ष में हम जो कुछ भी कहेंगे, वह उस दिन परिपूर्ण हो जाएगा। इसलिए, यह अंतिम उद्धार को उसकी महिमा में देखने का एक और तरीका है क्योंकि हम परमेश्वर की अद्भुत छवि बनाएंगे, जो मुझे याद दिलाता है, परमेश्वर की छवि या इमागो देई, लैटिन कैचवर्ड, शब्दों का उपयोग करने के लिए, एक संज्ञा है, लेकिन इसे क्रिया में बदलना कभी-कभी सहायक होता है।

हम ईश्वर की छवि बनाते हैं। यह विशेष रूप से कार्यात्मक और संबंधपरक दृष्टिकोणों के लिए सहायक है, लेकिन मुझे लगता है कि यह वास्तव में अच्छी तरह से काम करता है। हम ईश्वर की छवि में बने हैं, संरचनात्मक रूप से, मूल रूप से, पवित्र प्राणियों के रूप में, धन्यवाद देने वाले प्राणियों के रूप में, और इससे भी अधिक, उदाहरण के लिए, रचनात्मकता से संपन्न प्राणियों के रूप में, और हमारे निर्माता से अद्भुत उपहारों के रूप में।

लेकिन फिर हम परमेश्वर की छवि भी बनाते हैं, जब हम उसकी महिमा के लिए उसकी आत्मा के द्वारा अपनी भूमिकाएँ निभाते हैं और जब हम उससे, एक दूसरे से और दुनिया से संबंध रखते हैं। समीक्षा बहुत हो गई। प्रोफेसर की यही बीमारी है।

सतत समीक्षा। हमने कहा कि पहली बात यह है कि पुराने नियम में उत्पत्ति 1, 26 से 29 में छवि के तथ्य की शिक्षा दी गई है। यह हमें नहीं बताता कि यह क्या है।

ओह, यह प्रभुत्व के बारे में बात करता है, और मुझे लगता है कि यह कम से कम छवि का परिणाम है, और यह पुरुष और महिला कहता है। यह हमें बताता है कि हम किसी न किसी तरह

से भगवान की तरह हैं। हमने देखा कि छवि और समानता शब्द समानार्थी हैं और इन्हें अलग नहीं किया जाना चाहिए जैसा कि इरेनियस ने किया था, और रोमन कैथोलिक धर्मशास्त्र ने उसका अनुसरण इस तरह से किया जो मददगार नहीं था, यानी, मानव बुद्धि को बनाए रखना, पतन से प्रभावित नहीं होना।

ओह, यह गलत है। यदि पौलुस पतन के प्रभाव के लिए एक क्षेत्र को अलग करता है, तो वह है पाप के तथाकथित ज्ञानात्मक प्रभाव, मन पर पाप के प्रभाव, हमारी समझ में अंधकार, मूर्खता, मूर्तियाँ बनाना, इत्यादि। वह अक्सर इन शब्दों में बोलता है।

तो, पुराने नियम में परमेश्वर की छवि के तथ्य के बाद, हम मसीह में छवि की पुनर्स्थापना के बारे में पौलुस के सिद्धांत की ओर बढ़ते हैं। दो पाठ हैं, और हम उन पर विस्तार से विचार करेंगे। कुलुस्सियों 3 :9, और 10 हमारा पहला पाठ है।

मैं संदर्भ, ग्रीक, व्याख्या और फिर मार्ग से धर्मशास्त्र निकालने के साथ काम करने जा रहा हूँ। क्योंकि दुर्भाग्य से, ऐसा हमेशा नहीं किया जाता है, और यह एक गलती है क्योंकि ये पॉलिन ग्रंथ छवि के लिए प्रासंगिक हैं। तर्क की रेखा इस प्रकार है।

पॉल हमें बताता है कि छवि धीरे-धीरे मसीह में, विश्वासियों में नवीनीकृत होती है। खैर, अगर यह नवीनीकृत है, तो इसे नवीनीकरण की आवश्यकता होगी; यानी, पतन ने इसे प्रभावित किया, और अगर यह नवीनीकृत है, तो इसे कम से कम कुछ हद तक पुनः प्राप्त किया गया है। बड़ा संदर्भ मसीह के साथ विश्वासी की एकता पर जोर देता है।

उनकी मृत्यु में, कुलुस्सियों 2:20 कहता है, यदि तुम मसीह के साथ संसार की आदिम आत्माओं के लिए मर गए, तो फिर संसार में जीवित रहते हुए भी उसके नियमों के अधीन क्यों रहते हो? मनुष्य के उपदेशों और शिक्षाओं के अनुसार न छूओ, न चखो, न छुओ। ये, वास्तव में, स्व-निर्मित धर्म और तप और शरीर के प्रति कठोरता को बढ़ावा देने में बुद्धि का दिखावा करते हैं, लेकिन वे शरीर के भोग को रोकने में कोई मूल्य नहीं रखते हैं। जब भी मैं श्लोक 21 देखता हूँ, तो मैं हँसे बिना नहीं रह सकता।

मैं महिलाओं की यह तस्वीर देख रहा हूँ, जिसमें वे गर्दन से लेकर फर्श तक लंबे सफ़ेद कपड़े पहने हुए हैं, और यह मेरे लिए ठीक है, और उनके पास एक बैनर है जिसे वे पकड़े हुए हैं, और बैनर कहता है, इसे न छुएँ, न छुएँ, न चखें, और वे शराब के खिलाफ हैं। यह एक निषेध बैनर है, और दुख की बात यह है कि पॉल विधर्मियों की शिक्षा को उद्धृत कर रहा है, लेकिन मुझे लगता है कि अधिकांश अमेरिकी शायद यह जानते भी नहीं थे। ओह, मेरी बात।

यदि मसीह के साथ आप संसार की मूल आत्माओं के लिए मर गए। वास्तव में इस बात पर बहस है कि इसका क्या अर्थ है। क्या इसका अर्थ इस संसार और इसकी बनावट के एबीसी से है? क्या यह राक्षसी क्षेत्र की बात करता है? आप इसे जिस भी तरह से समझें, यह अंधकार पक्ष और अंधकार शक्तियों को शामिल करता है, ठीक है? हम उस चीज़ के लिए मर गए।

हम कैसे मरे? हम मसीह के साथ एकता में मरे, लेकिन केवल इतना ही नहीं, कुलुस्सियों के 3:1, यदि आप मसीह के साथ जी उठे हैं, तो उन चीज़ों की तलाश करें जो ऊपर हैं जहाँ मसीह है, परमेश्वर के दाहिने हाथ पर बैठा है। मैं यहाँ एक साथ बहुत सी चीज़ों को जोड़ रहा हूँ। हम इसे काम में लाएँगे।

बड़ा संदर्भ मसीह की मृत्यु में विश्वासियों के मसीह के साथ एकता पर जोर देता है, कुलुस्सियों 2:20। साथ ही, 3:3 उसके साथ नहीं कहता है, लेकिन आप मर चुके हैं, और आपका जीवन मसीह के साथ परमेश्वर में छिपा हुआ है। जाहिर है, वे शारीरिक रूप से जीवित हैं, और इसका अर्थ है कि वे मसीह के साथ मर गए। उसका पुनरुत्थान, 3:1। उसका स्वर्गारोहण, 3:3। बस एक बड़ा संदर्भ।

आप मर चुके हैं, और आपका जीवन परमेश्वर में मसीह के साथ छिपा हुआ है। वास्तव में, आप परमेश्वर के साथ उसके पक्ष में हैं। और यहाँ तक कि हम भी मसीह के दूसरे आगमन में उसके साथ जुड़ गए हैं।

जब मसीह, जो आपका जीवन है, प्रकट होगा, कुलुस्सियों 3:4, तब तुम भी उसके साथ महिमा में प्रकट होगे। तुम कहते हो कि हम मसीह के साथ मरे, हम मसीह के साथ दफनाए गए, हम उसके साथ जी उठे, हम उसके साथ ऊपर चढ़े, हम परमेश्वर के बगल में, उसके साथ उसके दाहिने हाथ पर बैठे, एक अर्थ में, और हम उसके साथ फिर से आ रहे हैं? एक पल रुको। क्या यह हमें और मसीह को भ्रमित कर रहा है? नहीं, यह भ्रमित करने वाला नहीं है।

यह सिर्फ बाइबल की भाषा में बात करना है। इफिसियों 2 में यह बात बिल्कुल स्पष्ट है। पौलुस ने सिर्फ एक बार ही यह बात कही है।

इफिसियों 2:6, परमेश्वर ने हमें मसीह यीशु में उसके साथ उठाया और स्वर्गीय स्थानों में उसके साथ बैठाया। एक मित्र है जिसने अपने ईसाई जीवन के अधिकांश समय में एक विशेष पाप से लड़ाई लड़ी, और इस आयत ने उसे मुक्त कर दिया। उसने कहा, जब प्रलोभन मेरे दरवाजे पर दस्तक देता है, तो वह कहता है, धिक्कार है, प्रलोभन।

मुझे नहीं पता कि वह कौन सी भाषा का इस्तेमाल करता है। शायद वह ज़्यादा तीखी हो। मुझे नहीं पता।

यह मेरा काम नहीं है। लेकिन मैं मसीह के साथ परमेश्वर के दाहिने हाथ पर बैठा हूँ। तुम मुझे छू नहीं सकते।

और उसने उस धारणा से बहुत बड़ी आज़ादी प्राप्त कर ली है। वैसे भी, कुलुस्सियों 3:4, जब मसीह, जो तुम्हारा जीवन है, प्रकट होता है, प्रकट होता है और प्रकट होने की क्रिया सुनता है, स्पष्ट रूप से दूसरी बार आने वाली भाषा, तो तुम भी उसके साथ महिमा में प्रकट होगे। पॉल हमें मसीह के साथ भ्रमित नहीं करता है, लेकिन यह हमें मसीह के साथ एकता के संदर्भ में उससे जोड़ता है।

हमारी पहचान मसीह के साथ हमारे रिश्ते और उसके साथ एकता में इतनी समाहित है कि परमेश्वर के पुत्र या पुत्री के रूप में हमारी पहचान, मसीह के साथ एकजुट व्यक्तियों के रूप में हमारी पहचान, तब तक पूरी तरह से प्रकट नहीं होगी जब तक कि यीशु फिर से नहीं आते। जब वह प्रकट होगा, तो हम उसके साथ महिमा में प्रकट होंगे। यह अद्भुत है।

वैसे भी, यह बड़ा संदर्भ है। हम आध्यात्मिक रूप से परमेश्वर के पुत्र से जुड़ गए हैं ताकि उसके उद्धार कार्य के लाभ हमारे हो गए हैं। इसलिए, विश्वासियों को अपने शारीरिक अंगों को पापों के लिए मृत मानना चाहिए क्योंकि वे अब मसीह से जुड़ गए हैं।

कुलुस्सियों 3 का श्लोक 5. मैं 9 और 10 की ओर काम कर रहा हूँ। इसलिए, अपने अन्दर जो सांसारिक है उसे मार डालो: व्यभिचार, अशुद्धता, वासना, बुरी इच्छा और लोभ जो मूर्ति पूजा के बराबर है। विश्वासियों को अपने शरीर के अंगों को पाप के लिए मरा हुआ समझना चाहिए क्योंकि हम मसीह के साथ मर गए हैं।

वास्तव में, ऐसे पापों के कारण परमेश्वर का क्रोध अविश्वासियों पर आएगा। पद 6, इनके कारण, परमेश्वर का क्रोध आ रहा है। अपने उद्धार से पहले, कुलुस्सियों, ईसाइयों, कुलुस्सियों के ईसाइयों ने ये पाप किए।

पद 7, जब तुम इनमें रहते थे, तो तुम भी एक बार इनके अनुसार चलते थे, जीते थे। पद 5 के पापों को दूर करने के अलावा, कुलुस्से के विश्वासियों को क्रोध और बुराई बोलने के पापों को भी दूर करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। पद 8, लेकिन अब आपको न केवल, जिन्हें हम गंभीर पाप कहेंगे, जो कि बुतपरस्तों के लिए आम है, पद 5, बल्कि अधिक परिष्कृत ईसाई पापों को भी दूर करना चाहिए, यदि आप चाहें तो।

वे दोनों समान रूप से निंदनीय हैं, लेकिन अब आपको उन सभी को दूर करना होगा, क्रोध, क्रोध, द्वेष, निंदा, और अपने मुंह से अश्लील बातें। मैं अपने बारे में एक कहानी बताऊंगा। मैं हाई स्कूल में ईसाई नहीं था।

मैंने अपने जूनियर वर्ष से पहले अपनी दूसरी गर्मियों में बेसबॉल से टेनिस में प्रवेश किया। मैं टेनिस टीम में जगह बनाने वाले आखिरी व्यक्ति के रूप में अपना स्थान बनाने में सफल रहा, लेकिन मैंने कड़ी मेहनत की और मैं सीढ़ी चढ़ता गया, कभी बहुत कम लोगों तक नहीं पहुंचा, लेकिन मैं शीर्ष युगल टीम में पहुंच गया और यहां तक कि मैंने अपने से आगे के कुछ लोगों को हराया, क्योंकि मैं एक स्कैचर, स्कैम्बलर था और मैं हार नहीं मानता था। लेकिन मैं हमारे नंबर एक खिलाड़ी रोनाल्ड स्टोव को कभी नहीं भूलूंगा, जिन्होंने एक बार मुझसे कुछ ऐसा ही कहा था, और वह बुरा नहीं था।

मुझे लगता है कि वह शायद आस्तिक थे। मुझे नहीं पता था क्योंकि मैं आस्तिक नहीं था। उन्होंने कहा, मेरे पिता वास्तव में सराहना करते हैं कि आप कितनी मेहनत से टेनिस खेलते हैं, उन्होंने कहा।

वह ऐसा कर सकता था, वह दयालु था। मैं एक महान खिलाड़ी नहीं था। मैंने एक छोटे कॉलेज में खेला और नंबर दो तक पहुंचा, लेकिन मैं अभी भी महान नहीं था, लेकिन मैं काफी अच्छा था।

मैं अभी इस पर काम कर रहा था, लेकिन वह कहते हैं, लेकिन मेरे पिता कभी-कभी आपके मुंह से निकली बातों की सराहना नहीं करते हैं। मैंने उनकी बात सुनी। मैंने उनकी बात सुनी।

कॉलेज में दाखिला लिया। मैं प्रभु को जान गया था। मैं रटगर्स यूनिवर्सिटी से फिलाडेल्फिया कॉलेज ऑफ बाइबल में स्थानांतरित हो गया था।

उन दिनों इसे यही कहा जाता था; मेरे कॉलेज और सेमिनरी के नए नाम हैं। वैसे भी, यह मेरे लिए एक अच्छी जगह थी। मुझे एक बेहतरीन पत्नी मिली, मैरी पैट।

मैं ग्रीक भाषा में पारंगत था। इससे मुझे बहुत लाभ हुआ। मैं बाइबल के सभी भागों से परिचित हुआ और उनसे परिचित हुआ।

मुझे धर्मशास्त्र की इंजील प्रणाली, शास्त्रीय व्यवस्थावाद की एक प्रणाली भी सिखाई गई थी। वैसे भी, यह सब अच्छा था। यह सब अच्छा था।

मुझे मे स्टीवर्ट नामक एक अद्भुत दार्शनिक और ग्रीक प्रोफेसर ने मार्गदर्शन दिया, जिन्होंने अनजाने में ही मुझे शिक्षण के क्षेत्र में आगे बढ़ाया। हमारी एक सह-शिक्षा टेनिस टीम थी। सच तो यह है कि मैं अपनी पत्नी से इसी टीम में मिला था।

उसने आखिरकार खेल छोड़ दिया क्योंकि वह कभी-कभी दूसरे स्कूल के लड़के को हरा देती थी, और यह उसके लिए अच्छा नहीं होता था। वह एक बेहतरीन फील्ड हॉकी खिलाड़ी थी। बहुत बढ़िया।

मैंने पहले कभी नहीं खेला। वह मुझसे बेहतर खिलाड़ी है। उसे मत बताना कि मैंने ऐसा कहा, लेकिन वह है।

वह स्वाभाविक है। वैसे भी, एक दिन, हम अभ्यास कर रहे थे। उसने अपनी पैंट फाड़ दी और इमारत के पीछे छिप गई।

टीम में शामिल दूसरी महिला बाहर आई और उसने कहा कि मैरी पैट ने अपनी पैंट फाड़ ली है। मेरे पास सिर्फ स्वेटपैंट था। उसने मेरी स्वेटपैंट उधार ली, उन्हें धोया और मुझे वापस दे दिया।

यहीं हमारी मुलाकात हुई। यह एक सच्ची कहानी है। वह इसे प्रेम विवाह कहती है।

वैसे भी, हम ऐसे ही मिले। उस माहौल में, हम अलग-अलग स्कूलों में खेलते थे, हमारे जैसे ही छोटे स्कूल। मेरा साथी, जो वाकई बहुत अच्छा था, नंबर एक लड़का था, वह और मैं शैतानों की तरह अपराजित थे, सिवाय एक स्कूल के जो हमें हरा सकता था।

वैसे भी, यह एक खास स्कूल था, जिसका कोच एक ईसाई व्यक्ति था। हम दोस्त बन गए। मैं उस समय एक ईसाई था, और मैंने इसे नहीं छिपाया।

मैंने उसके आदमी को जल्दी से बाहर निकाल दिया, मैं किनारे पर था, और उसने कहा, मैं तुम्हें कुछ बताना चाहता हूँ, उसने कहा, मैं तुम्हारे बारे में जो कुछ भी कहता हूँ, उसकी सराहना करता हूँ। उसने कहा, न केवल एक बहुत अच्छा टेनिस खिलाड़ी मेरे आदमी को इस तरह से हरा रहा है, उसने कहा लेकिन मुझे तुम्हारा मुँह खोलने का तरीका भी पसंद है। मैं दंग रह गया।

मैं दंग रह गया। मुझे आपका ईश्वर का आदर करने का तरीका पसंद आया या ऐसा ही कुछ। क्या? मैं जानबूझकर कुछ नहीं कर रहा था।

मुझे अपने अंदर आए इस बदलाव का अहसास भी नहीं था, लेकिन यह खूबसूरत था। और मैंने परमेश्वर को महिमा दी, जैसा कि मैं अब करता हूँ। वैसे भी, परमेश्वर हमारे अंदर काम करता है, और वह हमें बदलता है।

और कुलुस्सियों को न केवल घोर पापों को दूर करना है, जैसा कि अध्याय तीन की पांचवीं आयत में कहा गया है, बल्कि मैं उन्हें मसीही पाप भी कहूंगा, जो कि वाणी और क्रोध के पाप हैं, क्रोध में बुरी बातें बोलना, आयत आठ। यहाँ, हम छवि के नवीनीकरण पर अपनी आयतों पर आते हैं। आयत नौ: एक दूसरे से झूठ मत बोलो क्योंकि तुमने पुराने मनुष्यत्व को उसके कर्मों सहित उतार दिया है, और तुमने नया, स्पष्ट रूप से ग्रीक और अंग्रेजी दोनों में एलिप्सिस, नया, नया मनुष्यत्व धारण कर लिया है जो अपने सृजनकर्ता की छवि के अनुसार ज्ञान में नवीकृत होता जा रहा है।

आइए देखें कि ESV ग्रीक पाठ के कितने करीब है। एक दूसरे से झूठ मत बोलो। यह देखते हुए, यह बिल्कुल ठीक है।

मुझे लगता है कि यह कारणात्मक है, लेकिन यह ठीक है। आपने पुराने स्व को उतार दिया है। यह वस्तुतः मनुष्य है और इसकी क्रियाएँ हैं, और मैंने नया स्व धारण किया है, मनुष्य या स्व निहित है, जिसे नवीनीकृत किया जा रहा है।

यह सही है। यह प्रगतिशील है। यह निष्क्रिय और प्रगतिशील है, जो अपने निर्माता की छवि के अनुसार ज्ञान में नवीकृत हो रहा है।

यहाँ, कोई यूनानी और यहूदी खतना, खतना रहित, या दफनाने वाले सीथियन दास मुक्त नहीं हैं, लेकिन मसीह सब कुछ है और सभी व्याख्याओं में है। विशेष रूप से, कुलुस्सियों के विश्वासियों को एक दूसरे से झूठ नहीं बोलना चाहिए क्योंकि कृदंत को कारणात्मक परिस्थितिजन्य कृदंत के रूप में लेना चाहिए। इसलिए मैक्स ज्यूरिख ने अपनी अद्भुत पुस्तक, बाइबिल ग्रीक इलस्ट्रेटेड बाय एग्जाम्पल्स और एनआईवी में, क्योंकि उन्होंने कपड़ों के रूप में उतार दिया है, यह कल्पना है, डीबीएजी दो, पृष्ठ 83, शब्दकोश, लेक्सिकॉन 83, क्योंकि उन्होंने पुराने निहित पापी मनुष्य को उसके पापी निहित अभ्यासों के साथ उतार दिया है।

एक और कारण यह है कि एक अन्य कृदंत को कारणात्मक परिस्थितिजन्य कृदंत के रूप में भी लिया जाता है। झूठ बोलने के अपने पिछले अधर्मी जीवन में वापस न लौटने का एक और कारण श्लोक 10 में दिया गया है। और क्योंकि आपने नए मनुष्यत्व को वस्त्र के रूप में पहन लिया है, जो अपने सृजनहार की छवि के अनुसार ज्ञान में नवीकृत होता जा रहा है।

कुलुस्सियों के मसीहियों ने एक तरह से अपने वस्त्र बदल लिए हैं। उन्होंने पुराने मनुष्यत्व को उतारकर नया मनुष्यत्व धारण कर लिया है। NIV स्टडी बाइबल में कुलुस्सियों 3, 9, और 10 पर टिप्पणी देखें।

दो कारणात्मक कृदंत, एपेक्टस समिनोई और एंडुसामिनोई को एक साथ समझा जाना चाहिए। प्रत्येक दूसरे के अर्थ को प्रभावित करता है। भाषाई शब्दावली का उपयोग करने के लिए, वे एक दूसरे के प्रतिमानात्मक संबंध में खड़े हैं।

वे एक दूसरे को प्रभावित करते हैं। अर्थात्, उतारना तभी पूरी तरह से समझा जा सकता है जब उसे पहना जाता है, और पहनना तभी पूरी तरह से समझा जा सकता है जब उसे उतारा जाता है। कुलुस्सियों ने अपने पुराने स्वभाव को अपनी पापी जीवनशैली से दूर कर दिया है और पवित्र जीवन जीना शुरू कर दिया है।

नया मनुष्य नवीकृत हो रहा है। एक दिव्य है, और यह एक तथाकथित दिव्य निष्क्रिय है। दुनिया में कोई भी यह नहीं सोचता कि यह नवीनीकरण ईश्वर के अलावा कोई और कर रहा है, है न? यह एक दिव्य, दिव्य निष्क्रिय है।

जेपी लू और निदा की तुलना करें, न्यू टेस्टामेंट ग्रीक के अर्थविज्ञान 67-68। मसीह में विश्वास करने वाले का दिव्य और निरंतर पुनर्निर्माण होता है। निरंतर, एक प्रगतिशील वर्तमान काल।

सी.एफ.एफ. ब्रूस, कुलुस्सियों पर नए नियम पर नई अंतर्राष्ट्रीय टिप्पणी। इस स्थान पर, मसीह में विश्वास करने वाले का दिव्य और निरंतर पुनर्निर्माण होता है। हम यहाँ पुनर्निर्माण के पॉलिन विषय को पाते हैं।

वह यशायाह का अनुसरण करता है; लगभग हर नया नियम पुराने नियम से आता है, और पॉल मसीह को पुनः निर्माता के रूप में बोलने के लिए उत्पत्ति 1 और 2 की भाषा का उपयोग करने में प्रसन्न है जो परमेश्वर की नई रचना की शुरुआत करता है। अब, परमेश्वर की नई रचना केवल पूर्णता पर पूरी तरह से साकार होगी, लेकिन यह शुरू हो गई है क्योंकि यीशु जीवित है। पुनर्जन्म इस नई रचना का हिस्सा है, और इसलिए रोमियों 8 कह सकता है कि हमारे पास अनंत जीवन है।

यह नई सृष्टि का हिस्सा है। नश्वर शरीर में, यह पतित सृष्टि का हिस्सा है। लेकिन वह दिन आ रहा है, 1 कुरिन्थियों 15, जब हमें अमर शरीर में अनन्त जीवन मिलेगा।

अमर, अविनाशी, शक्तिशाली, गौरवशाली, आत्मा-प्रधान शरीर। पौलुस बाइबल के पहले दो अध्यायों की भाषा का उपयोग करके मसीह को पुनःसृजक के रूप में बोलने में प्रसन्न होता है जो

परमेश्वर की नई सृष्टि की शुरुआत करता है। मसीह दूसरा आदम है जो मृतकों में से अपने पुनरुत्थान के माध्यम से अपने लोगों को जीवन देता है।

हरमन रिडरबॉस, पॉल, उनके धर्मशास्त्र की रूपरेखा, पृष्ठ 78 से 86 देखें। नवीनीकरण, यह ईश्वरीय रूप से निर्मित, प्रगतिशील नवीनीकरण, मनुष्य के सोचने के तरीके को प्रभावित करता है। वह ज्ञान में नवीनीकृत हो रहा है।

मैं यहाँ पूर्वसर्ग ऐस का प्रयोग किसी व्यक्ति या वस्तु के संदर्भ को दर्शाने के लिए करता हूँ, और इसका अनुवाद के लिए, के लिए, या के संबंध में किया जा सकता है। किसी की सोच का यह नवीनीकरण, यह नवीनीकरण ज्ञान के संबंध में है, ज्ञान में नवीनीकरण। किसी की सोच का यह नवीनीकरण है, और यहाँ पूरे सौदे की कुंजी है, उसे बनाने वाले की छवि के अनुसार।

पॉलिन के अनुसार, जिसने उसे बनाया है, वह उसका रचयिता या ईश्वर है। इसलिए, एक ईसाई वह है जो ज्ञान में अपने रचयिता ईश्वर की छवि के अनुसार नवीनीकृत हो रहा है। वाह।

मुझे लगता है कि धर्मशास्त्र का अध्ययन इसी तरह किया जाना चाहिए, बाइबल से सावधानीपूर्वक। पीटर ओ'ब्रायन वर्ड बाइबिलिकल कमेंट्री में इस बात से सहमत हैं। अरे, प्रिय पीटर ओ'ब्रायन।

उन्हें साहित्यिक चोरी के लिए परेशानी का सामना करना पड़ा। मुझे नहीं लगता कि उनका कोई इरादा था, लेकिन उन्होंने ऐसा किया, और इनमें से कुछ रचनाएँ अब छपती नहीं हैं। लेकिन वैसे भी, उन्होंने सही कहा, रचनाकार की छवि का अनुसरण किया जाना चाहिए, जिसे नवीनीकृत किया जा रहा है।

तब पाठ इस प्रकार होगा कि चूंकि आपने नया मनुष्य धारण किया है जो ज्ञान में उसे बनाने वाले की छवि के अनुसार नवीनीकृत हो रहा है। इनमें से कुछ विवरणों को बदलना संभव है, लेकिन उन्हें अभी हमारे द्वारा बनाए रखने की आवश्यकता नहीं है। चूंकि यह नवीनीकरण मानवता में ईश्वर की छवि के अनुरूप है, और चूंकि नवीनीकरण ज्ञान में नवीनीकरण है, इसलिए ज्ञान मूल इमागो देई का एक पहलू रहा होगा।

क्या आप समझ रहे हैं? नवीनीकरण ईश्वर द्वारा और विश्वासी के जीवन में क्रमिक रूप से किया जाता है, और इसे विशेष रूप से ज्ञान के संबंध में कहा जाता है। यदि छवि का नवीनीकरण ज्ञान के अनुसार है, तो मूल छवि में ज्ञान शामिल होना चाहिए। मैं ओ'ब्रायन और लोसा के साथ उनके हर्मेनिया खंड में सहमत हूँ, जो यहां बताए गए ज्ञान को कुलुस्सियों की एक पुरानी आयत, ईश्वर की इच्छा और आज्ञा को पहचानने की क्षमता के संदर्भ में मानते हैं।

लोसा पूर्ण उद्धरण के हकदार हैं, ज्ञान को न तो नैतिकता के रूप में परिभाषित किया जा सकता है और न ही छवि के अनुरूप पहचाना जा सकता है। बल्कि, दोनों के परिणामस्वरूप, यह उसकी इच्छा का ज्ञान है, कुलुस्सियों 1:9। वह बुद्धिमानी से उसी पुस्तक में ज्ञान शब्द को थोड़े अधिक विस्तारित तरीके से इस्तेमाल करता है, जो परमेश्वर की इच्छा के ज्ञान के बारे में बात करता है। यहाँ मैं क्या कहने की कोशिश कर रहा हूँ।

वह ज्ञान जिसके द्वारा हम मसीह में उत्तरोत्तर नवीनीकृत होते हैं, वह अनुभूति है, लेकिन शुद्ध अनुभूति नहीं। यह कोई अमूर्तता नहीं है। यह एक अमूर्तता और उसके साथ चलने वाला एक ठोस विचार दोनों है।

यह केवल ज्ञान नहीं है। यह उसे रोकता नहीं है। बल्कि, यह सोचने की क्षमता है जिसे परमेश्वर की सेवा में लगाया जाता है, यह वास्तव में उसकी इच्छा का ज्ञान है, कुलुस्सियों 1:9। यहाँ इस पाठ से धर्मशास्त्र आता है, कुलुस्सियों 3:9 और 10।

मनुष्य, अर्थात् आदम और हव्वा, अपने सृष्टिकर्ता के हाथ से आए थे, जो सोचने में सक्षम थे। वह परमेश्वर की आज्ञा मानकर अपने मन से उससे प्रेम करने में सक्षम था। आदम परमेश्वर के प्रस्तावित रहस्योद्घाटन को समझने और उसका पालन करने में सक्षम था जिसने उसे निषिद्ध फल खाने से मना किया था, उत्पत्ति 2:16-17। उसने यह नहीं कहा कि, ओह, नहीं, वह परमेश्वर को समझ गया।

बाद में वह दोषी पाया गया क्योंकि उसने परमेश्वर को समझ लिया था। आदम उत्पत्ति 2:19 और 20 में जानवरों का नाम बताने में सक्षम था। वह हव्वा की तरह भाषा का उपयोग करने और बुद्धिमानी से जवाब देने में सक्षम था, जैसा कि उत्पत्ति के अध्याय 2 की आयत 23 में देखा गया है।

इस प्रकार, मानवजाति में ईश्वर की छवि का एक संज्ञानात्मक पहलू है। यह संरचनात्मक या मूल है। यह हमारी बनावट का हिस्सा है।

पतन के बाद, मानवीय तर्क अंधकारमय हो गया और मनुष्यों ने अपने मन का उपयोग कुलुस्सियों 3:5 और 8 और 9 के पापों में संलग्न होने के लिए किया, जिन्हें घोर पाप और ईसाई पाप कहा जाता है, जैसा कि मैंने उन्हें नाम दिया है। पतन के बाद के अध्याय उत्पत्ति 4 में कैन द्वारा अपने भाई की हत्या की तुलना करें। और जलप्रलय से पहले मानव जाति की पापी स्थिति।

ओह, मेरे शब्द, क्या यह बाइबल में सबसे घिनौना श्लोक है? उसके दिल के विचारों का हर झुकाव हर समय केवल बुरा था। आह! जब कोई व्यक्ति यीशु मसीह के साथ उद्धारपूर्वक एक हो जाता है, तो वह पवित्रता की आजीवन प्रक्रिया और व्यावहारिक पवित्रता में क्रमिक वृद्धि शुरू करता है। इसका एक हिस्सा यह है कि हमारी सोच परमेश्वर की इच्छा के अनुरूप हो।

यहाँ संदर्भ में, झूठ और ऊपर बताए गए अन्य पापों को दूर रखें। रोमियों 12:2 से तुलना करें। हे भाइयो, मैं तुम से परमेश्वर की दया स्मरण दिलाकर विनती करता हूँ कि अपने शरीरों को जीवित, पवित्र और परमेश्वर को स्वीकार्य बलिदान के रूप में प्रस्तुत करो, जो तुम्हारी आत्मिक उपासना है। तो वह शरीर है।

रोमियों 12:2, मन। इस संसार के सदृश न बनो, परन्तु अपने मन के नये हो जाने से अपना चाल-चलन बदलते जाओ, जिस से तुम परखकर मालूम करते रहो कि परमेश्वर की इच्छा क्या है, जो भली, और भावती, और सिद्ध है। यह एक ओवरलैप है।

इसमें परमेश्वर की छवि का उल्लेख नहीं है, लेकिन इस अनुच्छेद की शिक्षा के कारण यह प्रासंगिक है। इस तरह, हम परमेश्वर की छवि के अनुसार ज्ञान में नए हो रहे हैं। हमारे अगले व्याख्यान में, इफिसियों 4:22-24 के साथ काम करें, क्योंकि इसी तरह, मैं इसे ध्यान से करने के लिए कुछ समय समर्पित करूँगा।

यह डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन द्वारा मानवता और पाप के सिद्धांतों पर दी गई शिक्षा है। यह सत्र संख्या पांच है, मसीह में छवि की पॉलिन पुनर्स्थापना, कुलुस्सियों 3:9-10।